Muskaan

A Social Start-up

ANNUAL REPORT

2015-16

Muskaan
A Social Start-up

VISION

Muskaan is determined towards providing educational, emotional & financial support for the children living in pr otection homes throughout India

MISSION

At Muskaan, we are mobilizing the youth to building a movement of leaders to address the problems related to child education in India.

Muskaan
A Social Start-up

Challenges

52% of our children in grade 5 cannot read a grade 2 text.

48% of our children drop out before secondary school.

76% of our children don't enter college.

Muskaan
A Social Start-up

Report
2015-16

Area of focus
Education

Age of children
8-16 Years

No. of Beneficiary
200 Children

Project
Taleem, classroom

Project area
Gwalior, Bhopal, Indore

Core Drivers
Management Team
City Leader
Volunteers

Muskaan
A Social Start-up

Impact
2015-16

No. of centers
3

No. of children
2700

No. of Volunteers
210

No of classes hr.
960 hours

No. of Classes
480

No. of Educational Kits Distributed
2500

No. of Events
7

Muskaan
A Social Start-up

Organization Structure

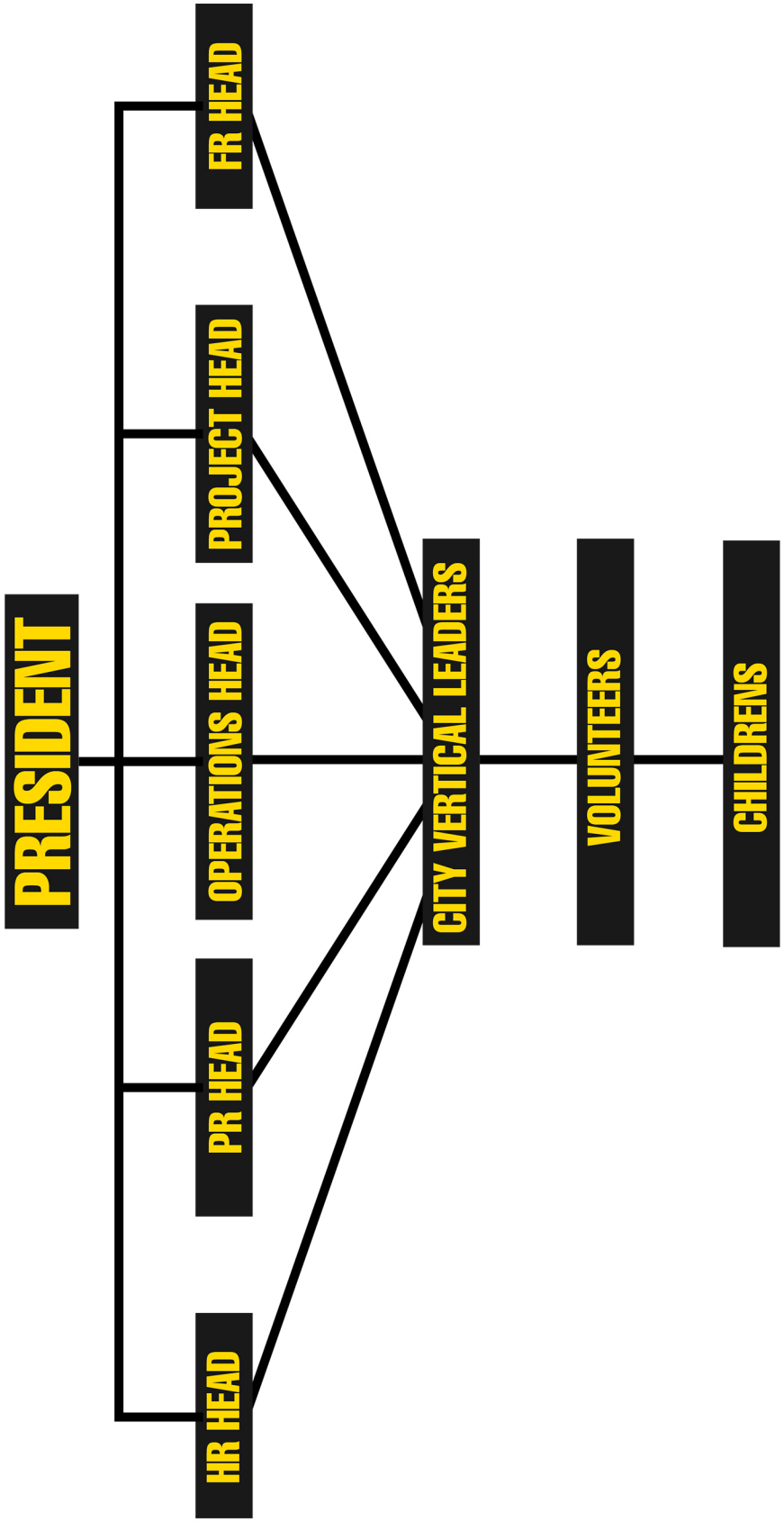

Muskaan
A Social Start-up

PROJECTS OF MUSKAAN
2015-16

TALEEM

"Everyone has dreams but not everyone has the resources to fulfill them!"

"Taleem" is an Urdu word, meaning "Providing Education". As to provide education we need some educational equipment's which are necessary for a student. In our Taleem project we provide them with educational kit. These kits initiate the bliss of education and hence, are vital. Educational kits consists of copy, book, pen, pencil, eraser, sharpener, lunch box, pencil box, drawing colors etc.

Muskaan
A Social Start-up

PROJECTS OF MUSKAAN
2015-16

Classroom

"A mentor is someone who allow you to see the hope inside yourself."

Class room Centre:
This fragment focuses on scholastic that essentially includes Spoken English and Writing Skills. In this project volunteers are known as the Mentor of Mentee because at a time they are their friend, teacher and guardian. They also make them aware about the society and problems which we all face in the society.

Muskaan
A Social Start-up

SWAPN-CAMP

2015-16

Swapn is a full day Camp activity for Muskaan Children and volunteers. Idea behind camp is to make sure Internal Growth and Happiness part of children by spending full day with
children from 5am morning, Camp is running with full of activities, fun, food, painting, dance, music, love etc. it was one of the best day for children and Muskaan volunteers. Through camp children closely connected with volunteers they feel Love-Care-Support. We believe that love and emotional
support is the most important part of Internal growth of children. We put each and everything in camp related to their small dreams like Paneer veg, Pizza, Sweets, Maggie etc.

Muskaan
A Social Start-up

SWAPN-CAMP
2015-16

Muskaan
A Social Start-up

ON 2nd ANNIVERSARY 2015-16

World Record

2500 Educational kit distribution in a single day single place

On the occasion of 2nd Anniversary Muskaan Foundation celebrated by made world Record in Gwalior by Distributing 2500 Educational kits in Single Day. The idea behind Event is to Mobilize children towards education by Giving them new stuff of education. We believe that equal education is important for every children and every children is important for country, children are the gift of God. Event was Inaugurated by Central minister of India Mr. Narendra singh Tomar (Minister of Rural development & Mines) and Mr. Daulat singh Chauhan (MD, ITM university)

Golden Book of World Record from U.S Recognized our initiative in Record.

Muskaan
A Social Start-up

ON 2nd ANNIVERSARY
2015-16
World Record
2500 Educational kit distribution in a single day single place

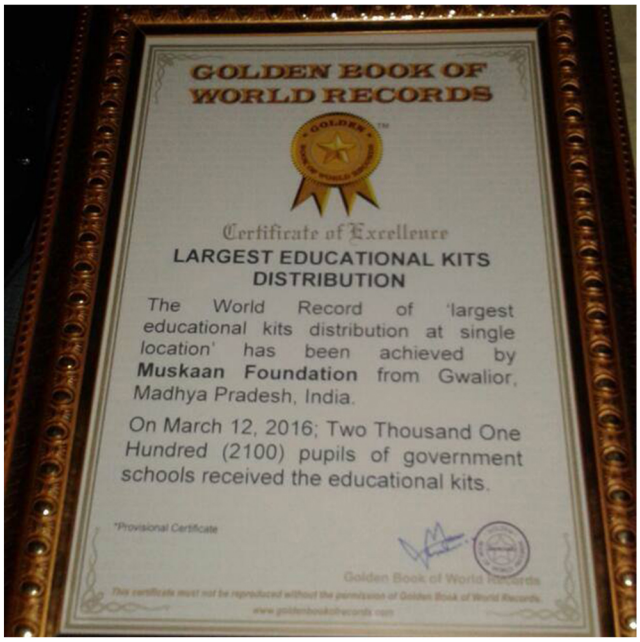

GOLDEN BOOK OF WORLD RECORDS

Certificate of Excellence

LARGEST EDUCATIONAL KITS DISTRIBUTION

The World Record of 'largest educational kits distribution at single location' has been achieved by **Muskaan Foundation** from Gwalior, Madhya Pradesh, India.

On March 12, 2016; Two Thousand One Hundred (2100) pupils of government schools received the educational kits.

*Provisional Certificate

Golden Book of World Records

Muskaan
A Social Start-up

ON 2nd ANNIVERSARY
2015-16
World Record
2500 Educational kit distribution in a single day single place

Muskaan
A Social Start-up

Achievements
2015-16

1.Rising Star Award For Best Child Development in LPU.

2. Jiyo Dil Se Award by MYFM Nominated From MP (Education)

3. Out standing Young Person Award (JCI, Governor of Haryana & Punjab)

4. Gwalior City Social Initiative Award.

5 Child Development Award Lions Club International.

6. World Record Holder (Muskan Foundation) In Distribution of 2500 Educational Kit In One Day One Place To Underprivileged Children In March 2016

7.1st Runner Up In Social Summit In Lovely Professional University.

Muskaan
A Social Start-up

Muskaan in Social Media
2015-16

11,000 Likes

200 Followers

50 Follower

20 Follower

Muskaan
A Social Start-up

NEWS COVERAGE 2015-16

2 महीने स्कूल-बस्तियों में प्रोग्राम किए छात्रों का चयन किया तब बना रिकार्ड

मुस्कान फाउंडेशन ने 2100 किट देकर गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराया

GOOD STEP

सिटी रिपोर्टर • वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने के लिए 2 महीने पहले से प्लानिंग की, स्कूल और बस्तियों में गए। इस आधार पर 25 शासकीय स्कूलों के 2500 छात्रों का चयन किया। सबके नाम लॉग बुक में लिखकर हस्ताक्षर कराए। इस आधार पर गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के लिए दावेदारी पेश की जा सकी। शनिवार को मुस्कान फाउंडेशन ने दूसरी वर्षगांठ पर 2100 गरीब व असहाय बच्चों को पाठ्य सामग्री का वितरण कर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। मुख्य समारोह फूलबाग स्थित मैदान पर हुआ। इसके मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर थे। उन्होंने बच्चों को किट वितरित कर इसकी शुरुआत की। इस मौके पर महापौर विवेक शेजवलकर, साडा अध्यक्ष राकेश जादौन, आईटीएम यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार ओमवीर सिंह, मुस्कान फाउंडेशन से अभिषेक दुबे सहित अन्य वालेंटियर्स मौजूद रहे।

5 चीजें होना जरूरी: वर्ल्ड रिकॉर्ड के लिए किट में 5 चीजें होना जरूरी है। इसके अलावा लॉग बुक में सभी बच्चों के नाम के आगे उनके हस्ताक्षर और फोटो लगाना जरूरी है। रिकॉर्ड बनाने से 10 दिन पहले आवेदन करना होता है।

• मुस्कान फाउंडेशन की ओर से स्टूडेंट्स को बांटी गई किट के साथ स्टूडेंट्स।

• सर्टिफिकेट के साथ संस्था के अभिषेक और मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर

गुदड़ी में मिलते हैं लाल: केंद्रीय मंत्री नरेंद्रसिंह तोमर ने कहा कि जरूरी नहीं कि महलों में ही लाल मिलें, लेकिन गुदड़ी में लाल जरूर मिल जाएगा।

हंगरी का रिकॉर्ड तोड़ा

गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के नेशनल हेड डॉ.मनीष विश्नोई ने बताया कि इससे पहले हंगरी के नाम एक ही स्थान पर 1500 बच्चों को पाठ्य सामग्री वितरित करने का रिकार्ड था।

दिया सर्टिफिकेट

डॉ.मनीष विश्नोई ने बताया कि फिलहाल प्रॉविजनल सर्टिफिकेट दिया गया है। अब इसकी वीडियो रिकॉर्डिंग देखी जाएगी। संतुष्ट होने पर 15 दिन बाद फाइनल सर्टिफिकेट जारी किया जाएगा।

इंटरव्यू लेकर चुनेंगे बच्चों को फ्री पढ़ाने के लिए साथी

ग्वालियर। ग्वालियर, भोपाल और इंदौर में आर्थिक रूप से फ्री ट्यूशन देने वाली मुस्कान फाउंडेशन की वॉलेंटियर रिक्रूटमेंट प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। जिसके अंतर्गत ऐसे 150 वॉलेंटियर्स को सिलेक्ट किया जाएगा, जो निःस्वार्थ भाव से गरीब बच्चों को फ्री में एजुकेशन देने के लिए तत्पर रह सकें। फिलहाल रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया जारी है। युवा www.muskaanrd.dk पर पहुंचकर रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। इसके बाद चयन ग्रुप डिस्कशन और पर्सनालिटी इंटरव्यू लेने के बाद किया जाएगा। मुस्कान फाउंडेशन के फाउंडर अभिषेक दुबे ने बताया कि वर्तमान ग्वालियर, भोपाल और इंदौर में 400 वॉलेंटियर काम कर रहे हैं। सभी बच्चों की जरूरतों को पूरा करने के लिए घर से मिले जेब खर्च का पैसा बचाकर करते हैं। कुछ वॉलेंटियर तो जॉब से बंधे हुए हैं। उन्होंने बताया कि शहर में सिटी सेंटर और कैंसर पहाड़िया क्षेत्र में रहने वाले वे लगभग 400 बच्चों को शिक्षा दे रहे हैं। इससे उन्हें कई अवॉर्ड भी मिल चुके हैं।

दैनिक भास्कर
DB स्टार
English content in association with Daily Mirror London
DAILY Mirror
GWALIOR, THURSDAY, 09/07/2015
ये बदल देगा आपके जीने का अंदाज
http://epaper.bhaskar.com

शहर के इंजीनियरिंग छात्र झुग्गियों में रहने वाले 15 हजार बच्चों को बाटेंगे एजुकेशनल किट

विश्व साक्षरता दिवस पर वर्ल्ड रिकॉर्ड की मुस्कान

गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाले 15 हजार स्कूली छात्रों को एक साथ फ्री एजुकेशनल किट बांटकर शहर के इंजीनियरिंग छात्र वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने की तैयारी कर रहे हैं। इसके लिए लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स और इंडिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स से अप्रूवल आ चुका है।

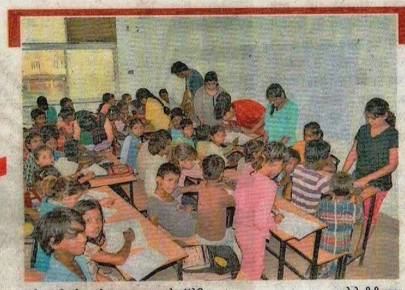

गरीब बच्चों को पढ़ाते मुस्कान संस्था के वॉलेंटियर। फोटो डीबी स्टार

DB स्टार INSPIRATIONAL

प्रियंक शर्मा » 9039299269

आगामी आठ सितंबर को होने वाले इस कार्यक्रम के लिए शहर के अलग-अलग इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्रों के एक गैर सरकारी संगठन मुस्कान फाउंडेशन ने तैयारी शुरू कर दी है। फाउंडेशन के इन छात्रों ने उपनगर ग्वालियर, कैंसर पहाड़िया, सिटी सेंटर में झुग्गी-झोपड़ी बनाकर रह रहे बच्चों को पढ़ाने का बीड़ा उठाया है। इन छात्रों ने बच्चों को इकट्ठा कर पहले उन्हें सामान्य तौर पर शब्दों का ज्ञान कराया और जब ये बच्चे पढ़ने में रुचि लेने लगे, तो उन्हें कम्प्यूटर की बेसिक नॉलेज दी जाने लगी। स्कूली शिक्षा विभाग के आंकड़ों के अनुसार जिले में 36 हजार ऐसे बच्चे हैं, जो गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन करने वाले परिवारों से हैं। ऐसे में इन छात्रों ने 15 हजार बच्चों को शिक्षा की तरफ प्रेरित करने के लिए फ्री एजुकेशनल किट बांटने का निर्णय लिया है। » शेष पेज 3

मुंबई की एनजीओ के नाम है रिकॉर्ड

अभी तक यह रिकॉर्ड मुंबई की एक एनजीओ उमंग फाउंडेशन के नाम है जिसने वर्ष 2013 में 13 हजार छात्रों को एजुकेशनल किट बांटी थीं। मुस्कान फाउंडेशन के इस कार्यक्रम में सरकारी स्कूल के बच्चों को किट दी जाएगी। इसके लिए कलेक्टर व जिला पंचायत सीईओ ने भी सहयोग करने का आश्वासन दिया है।

Muskaan
A Social Start-up

NEWS COVERAGE 2015-16

सिटी एंकर आईटीएम यूनिवर्सिटी, रोटरी इंपीरियल, मुस्कान फाउंडेशन 5 मई को शुरू करेंगे पहला रोटी बैंक

शहर में खुलेगा अब ऐसा बैंक जहां जमा होंगी रोटियां

सिटी रिपोर्टर •
शहर की तीन संस्थाएं, इनका उद्देश्य शहर में कोई भी भूखा न रहे। इसी को लेकर शहर में पहले रोटी बैंक की शुरुआत 5 मई से होने जा रही है। इस बैंक का काम लोगों के घर से रोटी एकत्र करना और उन्हें जरूरतमंदों को उपलब्ध कराना होगा। इस परोपकार के कार्य को शुरू करने जा रहा है आईटीएम यूनिवर्सिटी, रोटरी क्लब इम्पीरियल और मुस्कान फाउंडेशन। इस बैंक का शुभारंभ जयारोग्य हॉस्पिटल परिसर में 5 मई को शाम 6 बजे होगा। इसका शुभारंभ रोटी बैंक की देश में शुरुआत करने वाले राजकुमार भाटिया करेंगे।

शहर में इस प्रोजेक्ट को शुरू करने की पहल आईटीएम यूनिवर्सिटी के चांसलर रमाशंकर सिंह ने की है। वह बताते हैं कि राजकुमार से काफी पुरानी दोस्ती है, जब भी वह दिल्ली जाते तो इनसे मिलना-जुलना होता है। जब उनके रोटी बैंक प्रोजेक्ट को देखा तो लगा इसे शहर में शुरू किया जाए। इसके बाद जिससे भी यह आइडिया शेयर किया, संस्था और लोग स्वतः ही जुड़ते गए। अब इस प्रोजेक्ट के माध्यम से शहर के 5 स्थानों से जरूरतमंदों को रोटी का वितरण किया जाएगा।

रोटी बैंक के यह रहेंगे नियम

- इसमें तीन रोटी को एल्युमिनियम फॉइल में लपेटकर रखना और सब्जी सूखी होनी चाहिए।
- जो भी लोग इससे जुड़ना चाहते हैं, उन्हें ताजी रोटी ही इस बैंक में जमा करनी होगी।
- एक फैमिली तीन पैकेट से अधिक नहीं दे सकेगी। • शहर के अलग-अलग स्थानों पर कलेक्शन में आईं रोटियों का वितरण किया जाएगा। • शहर में रोटी के वितरण के लिए अलग-अलग स्थानों पर 5 काउंटर बनाए जाएंगे। इनमें रोजाना शाम 5 से 6 बजे के बीच इनका वितरण किया जाएगा।

दिल्ली में है पहला रोटी बैंक

दिल्ली के आदर्श नगर निवासी राजकुमार भाटिया ने रोटी बैंक की शुरुआत आजादपुर मंडी से की। राजकुमार के मुताबिक एक दिन उनके पास एक गरीब आदमी आया और उसने उनसे कुछ काम मांगा। तब उन्होंने उस व्यक्ति से कहा कि उनके पास काम तो कुछ नहीं है, लेकिन उसकी हालत देखकर उन्होंने उसे कुछ पैसे देने चाहे। तब उस व्यक्ति ने उनसे कहा कि पैसे से पेट नहीं भरता, पेट रोटी से भरता है और रोटी काम से मिलती है। उस आदमी के ये शब्द राजकुमार को अंदर तक असर कर गए। इसके बाद उन्होंने उस गरीब आदमी को रोटी खिलाई, लेकिन जाते-जाते वो राजकुमार भाटिया के मन में कई सवाल छोड़ गया। इस घटना से प्रेरणा लेकर उन्होंने रोटी बैंक शुरू किया। आज रोटी बैंक के 4 सेंटर दिल्ली के आजादपुर इलाके के आसपास चल रहे हैं।

मुस्कान फाउंडेशन ने पीएम को भेजे पत्र

मिलकर हटाएं प्रदूषण का दाग
भास्कर अभियान

सिटी रिपोर्टर | ग्वालियर

ग्वालियर ऐतिहासिक शहर है। साथ ही संगीत की नगरी के रूप में विशिष्ट पहचान है। हमारे शहर को विदेशी ताकतें षडयंत्र कर प्रदूषण के नाम पर दुनिया भर में बदनाम कर रही हैं। डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट पूरी तरह फर्जी है। डब्ल्यूएचओ ने दुनिया में ग्वालियर को दूसरा सबसे प्रदूषित शहर बताकर सिर्फ बदनाम करने का काम किया है। इस फर्जी रिपोर्ट को वापस कराया जाए। इस तरह का पत्र रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम मुस्कान फाउंडेशन के 200 से अधिक सदस्यों ने लिखा है। पीएम के नाम पोस्ट कार्ड भेजकर रिपोर्ट वापस कराने के लिए शहरवासियों ने अपील की है। इसके अलावा शहर के अन्य लोग भी पीएम को पत्र लिखकर विरोध जता रहे हैं।

दैनिक भास्कर द्वारा प्रदूषण के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत मुस्कान फाउंडेशन के 200 से अधिक सदस्यों ने पीएम को पोस्ट कार्ड भेजे हैं। पत्र लिखने वालों में मुख्य रूप से अभिषेक दुबे, हर्षित रहेजा, इंद्रजीत, गौरव और बसंत आदि शामिल हैं। इससे पहले महापौर विवेक नारायण शेजवलकर व विधायक नारायण सिंह कुशवाह केंद्रीय पर्यावरण मंत्री के नाम पत्र लिख चुके हैं। महापौर ने डब्ल्यूएचओ के खिलाफ लीगल कार्रवाई करने की तैयारी भी कर ली है।

करियर फेयर में भास्कर के अभियान के तहत पोस्टकार्ड लिखते लोग।

दैनिक भास्कर के अभियान से जुड़ने के लिए फॉलो करें
www.facebook.com/milkarhatayeinpradushankadaag
#milkarhatayein pradushankadaag पर लिखें।

• वॉलेंटियर्स बनने के लिए सबसे ज्यादा कॉलेज स्टूडेंट्स ने दिखाई दिलचस्पी।

सोशल वर्क से जुड़ने के लिए दिया इंटरव्यू

SOCIAL CAUSE

सिटी रिपोर्टर • आप एनजीओ से क्यों जुड़ना चाहते हैं। एनजीओ के माध्यम से आप कौन-कौन से सोशल वर्क करना चाहते हैं और पढ़ाई के साथ-साथ सोशल वर्क के लिए आप कैसे समय निकालेंगे। कुछ इसी तरह के प्रश्न मुस्कान फाउंडेशन की ओर से स्टूडेंट्स से इंटरव्यू में पूछे गए।

इसमें शहर के गवर्नमेंट सहित प्राइवेट कॉलेज में पढ़ने वाले 100 से अधिक स्टूडेंट्स ने भागीदारी की। इन सभी प्रतिभागियों का आकलन 2 राउंड में हुआ। पहले राउंड में ग्रुप डिस्कशन और दूसरे राउंड में पर्सनल इंटरव्यू हुए। इसकी फाइनल लिस्ट रविवार को जारी होगी। इस अवसर पर फाउंडेशन के अभिषेक दुबे, शालिनी, हर्षिता रहेजा, नीलेश और गौरव मौजूद रहे।

Muskaan
A Social Start-up

NEWS COVERAGE 2015-16

अब वॉलेंटियर बनने के लिए देना होगा टेस्ट

सोशल वर्क से युवाओं को जोड़ने के लिए शहर की अलग-अलग संस्थाएं कराएंगी टेस्ट

SOCIAL WORKER

सिटी रिपोर्टर • शहर के युवाओं में अब सोशल वर्क के लिए वॉलेंटियर बनकर काम करने का ट्रेंड डवलप हो रहा है। लेकिन युवा वॉलेंटियर के रूप में काम करने के बाद भी उसे प्रजेंट नहीं कर पाते हैं। इसकी वजह है कि उन के पास कोई सर्टिफिकेट या रजिस्टर्ड मेंबरशिप का कार्ड नहीं होता है। ऐसे में शहर के अलग-अलग एजुकेशन इंस्टीट्यूट और सोशल वर्क से जुड़ी संस्थाएं युवाओं के लिए सकारात्मक पहल की है। इस पहल में वॉलेंटियर बनने की इच्छा रखने वाले युवाओं का सेलेक्शन टेस्ट के आधार पर होगा। यह टेस्ट निःशुल्क रहेगा। वॉलेंटियर के लिए चुने गए युवाओं को संस्था की ओर से एक साल बाद सर्टिफिकेट भी दिया जाएगा। इसके लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया रहेगी। मुस्कान फाउंडेशन के प्रेसीडेंट अभिषेक ने बताया कि इसमें मेंबरशिप कार्ड और सर्टिफिकेट दिया जाएगा।

रजिस्ट्रेशन 15 जून तक

वॉलेंटियर के लिए ऑनलाइन और और ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। इसके लिए संबंधित ग्रुप के सदस्यों से भी जानकारी ले सकते हैं। रजिस्ट्रेशन की यह प्रक्रिया 15 मई से शुरू हो जाएगी। इसकी वजह है कि इस समय स्कूल और कॉलेज स्टूडेंट्स फ्री होते हैं। सेलेक्शन 3 राउंड में होंगे।

जून तक जारी होगी लिस्ट

वॉलेंटियर सेलेक्शन के लिए सबसे पहले ग्रुप डिस्कशन होगा। इसमें से चयनित प्रतिभागियों का इंटरव्यू होगा। इसके बाद उनका वॉलेंटियर बनने का उद्देश्य पूछा जाएगा। जून के अंतिम सप्ताह तक चयनित प्रतिभागियों की लिस्ट जारी होगी।

बच्चों को एजुकेशनल किट बांटकर बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

फूलबाग मैदान पर गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड टीम ने की घोषणा

ग्वालियर। फूलबाग मैदान पर शनिवार की शाम मुस्कान फाउंडेशन के सदस्यों ने शहर के स्कूलों में पढ़ने वाले 8वीं कक्षा के 2100 बच्चों को एक साथ एजुकेशन किट देकर गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। एक्टिविटी के दौरान गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के नेशनल हेड मनीष बिश्नोई मौजूद थे। उन्होंने पूरी पारदर्शिता के साथ एक्टिविटी पर नजर रखी और अंत में मंच से रिकॉर्ड बनने की घोषणा की। उन्होंने बताया अभी यह रिकॉर्ड हंगरी के नाम था। वहां एक साथ 1500 बच्चों को एजुकेशन किट दी गई थी, लेकिन यह रिकॉर्ड ग्वालियर में टूट चुका है। मुस्कान फाउंडेशन ने एक्टिविटी द वर्ल्ड लार्जेस्ट एजुकेशनल किट डिस्ट्रीब्यूशन थीम पर आयोजित की। मुख्य अतिथि केंद्रीय इस्पात एवं खनन मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर थे। इस अवसर पर महापौर विवेक नारायण शेजवलकर, भाजपा जिला अध्यक्ष देवेश शर्मा, चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष अरविंद अग्रवाल, आईटीएम के रजिस्ट्रार डॉ. ओमवीर सिंह, मुस्कान फाउंडेशन के प्रमुख अभिषेक दुबे आदि उपस्थित थे।

15 दिन बाद मिलेगा सर्टिफिकेट

गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के नेशनल हेड मनीष विश्नोई ने कहा कि रिकॉर्ड को बनाने के लिए सभी सदस्यों ने तय गाइडलाइन फॉलो की है। यहां 2100 बच्चों को दी गई एजुकेशनल किट में स्कूल बैग, पेंसिल बॉक्स, दो डायरी और रबर कटर बॉक्स आदि शामिल है। इसके लिए हमारी ओर से अस्थाई सर्टिफिकेट मुस्कान फाउंडेशन को फिलहाल दिया गया है। 15 दिन बाद फाइनल सर्टिफिकेट भेजा जाएगा।

इस गाइडलाइन का किया पालन

- एजुकेशनल किट में 5 सामग्री को शामिल किया
- जिन बच्चों को किट दी गई है उनके फोटोग्राफ लिए गए
- जो बच्चे शामिल हुए उनकी वीडियो बनाई गई।
- रिकॉर्ड संबंधी प्रोग्राम करने से 10 दिन पहले बताया

कमजोर की मदद करें

- मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि इस दुनिया में कई लोग ऐसे हैं जो जरूरतमंद की मदद के लिए आगे रहते हैं। हमें भी उनकी तरह सोच रखनी होगी। उन्होंने कहा कि महलों में न मिले लेकिन गुदड़ी के लाल झुग्गियों में जरूर मिल जाते हैं। उन्होंने बच्चों से कहा कि यदि मेहनत करेंगे तो वे भी अब्दुल कलाम की तरह बन सकेंगे। इस दौरान उन्होंने बच्चों ने नाम एक पत्र भी लिखा था, जिसे उन्होंने पढ़कर भी सुनाया।

कोई भूखा न रहे, इसलिए शुरू किया रोटी बैंक

SOCIAL CAUSE

सिटी रिपोर्टर • भूख हर जगह है, हमें इसे महसूस करना होगा। इसी भूख को मिटाने के लिए रोटी बैंक की शुरुआत की गई है। इसे दान के रूप में नहीं, बल्कि जन अभियान के रूप में चलाया जाएगा। हमारा प्रयास है इसकी शाखाएं देश के अधिकतर शहरों में हों। साथ ही ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़ेंगे। यह बात दिल्ली रोटी बैंक के संस्थापक राजकुमार भाटिया ने सिटी रिपोर्टर से चर्चा के दौरान कही। वह गुरुवार को शहर में रोटी बैंक का शुभारंभ करने आए थे। चर्चा के दौरान उन्होंने रोटी बैंक संबंधी अनुभव और अपने विजन के बारे में बताया।

शहर में भी शुरू हुआ रोटी बैंकः शहर में रोटी बैंक की शुरुआत हो चुकी है। गुरुवार को इसका विधिवत शुभारंभ आईटीएम यूनिवर्सिटी, रोटरी इंपीरियल और मुस्कान फाउंडेशन की ओर से मांडरे की माता मंदिर के पास किया गया। इस दौरान बच्चों को 150 पैकेट का वितरण किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि बॉलीवुड एक्टर पीयूष मिश्रा थे। उनके अलावा दिल्ली रोटी बैंक के संस्थापक राजकुमार भाटिया, आईटीएम यूनिवर्सिटी के चांसलर रमाशंकर सिंह, मुस्कान फाउंडेशन के अध्यक्ष अभिषेक दुबे सहित कई लोग मौजूद रहे।

• शहर में रोटी बैंक के 5 कलेक्शन सेंटर बनाए गए हैं।

में चारों तरफ स्पर्धा का माहौल बना हुआ है। यह कहना था पीएफ कमिश्नर रिजवानउद्दीन का। वे गुरुवार को माधव महाविद्यालय के वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह में उपस्थित युवाओं को

ऐसे ही करते रहो प्रदर्शन

समारोह में अलग-अलग एक्टिविटी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले युवाओं को पुरस्कृत

मौके पर डॉ. सीवी मोघे, डॉ. एमआर साहू, डॉ. पीडी शर्मा, डॉ. सुनील पाठक, डॉ. रंजना दीक्षित, डॉ. संजय रस्तोगी, डॉ. सुभाष जैन, डॉ. विजय पांडे और डॉ. प्रशांत साहू आदि उपस्थित थे।

मजदूर और गरीबों के लिए शहर में रोटी बैंक शुरू

फिल्म अभिनेता पीयूष मिश्रा और दिल्ली में बैंक शुरू करने वाले सदस्यों ने बांटी जरूरतमंदों को रोटी-सब्जी

ग्वालियर। गुरुवार की शाम रोटरी क्लब इंपीरियल, आईटीएम यूनिवर्सिटी और मुस्कान फाउंडेशन के रोटी बैंक का शुभारंभ फिल्म अभिनेता, सिंगर और डायरेक्टर पीयूष मिश्रा ने मांडेर की माता परिसर में किया। उन्होंने कहा कि इस बैंक की मदद से गरीब और मजदूर की जरूरत होगी, लेकिन इस पुनीत कार्यक्रम में शहरवासियों को अपनी तरफ से मदद देनी होगी। शुभारंभ सत्र के मुख्य अतिथि दिल्ली से आए रोटी बैंक शुरू करने वाले राजकुमार भाटिया थे। उन्होंने कहा कि जब दिल्ली में उन्होंने इस बैंक को शुरू किया था, तब टीम में 10 लोग थे, मगर अब 1 हजार लोग जुड़ चुके हैं। उल्लेखनीय है कि रोटी बैंक हर शाम 5 से 6:30 बजे तक सिटी सेंटर, थाटीपुर, मांडरे की माता और जेएच हॉस्पीटल परिसर में रोटियों का वितरण करेगा।

दिल्ली से आए बैंक से जुड़े सदस्य अभिनेता पीयूष मिश्रा के साथ।

जरूरत पूरे होने पर नहीं होंगे अपराध

'सिटी लाइव' से चर्चा करते हुए राजकुमार भाटिया ने कहा कि बढ़ते अपराधों की वजह सिर्फ भूख है। जब जरूरतमंदों की भूख शांत होगी तब उनका दिमाग अच्छा करने के लिए दौड़ेगा। उन्होंने बैंक शुरू करने पर कहा कि 20 जून 2015 में उनके पास एक भूखा बच्चा आया, उन्होंने उसे 20 रुपए पैसे देने चाहे, लेकिन उसने पैसे न लेते हुए खाना खिलाने की बात कही। उन्होंने ऐसा किया भी, फिर सोचा क्यों न कुछ ऐसा किया जाए, जिससे और भी भूखे लोगों की जरूरत पूरी हो सके। राजकुमार पेशे से फलों के व्यापारी हैं, इसलिए फ्रूट मंडी में काम करने वाले अन्य व्यापारियों से बात की। उन्होंने सहमति जताई और रोटी बैंक शुरू कर दिया। खास बात तो यह है सोशल साइट्स पर इस बैंक की मौजूदगी है, पर किसी भी सदस्य की फोटो नहीं है। वे इसे जनआंदोलन बताते हैं।

एकाग्र

ग्वालियर। स्थित एनसी शूटिंग प्रति विशेषज्ञों ने सबलगढ़ औ के साथ निशा कि जब भी वि दिमाग में किस ऐसा न करने उल्लेखनीय है कैडेट्स को क्लास द्वितीय

अबेक

ग्वालियर। अबेकस का शुरू होगा। समय किया जा अर्थमेटिक अ